DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

30 April, 2024

अनुच्छेद 31C

संदर्भ: *मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने निजी संपत्ति के सरकारी अधिग्रहण के मामले के साथ-साथ अनुच्छेद 31C के अस्तित्व पर भी चर्चा की।*

अनुच्छेद 31C क्या है ?

- इसे संविधान (25वाँ) संशोधन अधिनियम, 1971 द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- इसके तहत दो प्रावधान हैं: जन साधारण की भलाई के लिए भौतिक संसाधनों के वितरण को सुनिश्चित करने हेतु बनाए गए कानूनों की रक्षा करना (अनुच्छेद 39 (b)) और जन साधारण की हानि के लिए धन के एकाकी संग्रहण को रोकना (अनुच्छेद 39 (C))।
- इसके साथ-साथ उच्चतम न्यायालय ने, सरकारी अधिग्रहण कानूनों में मुआवजे के मुद्दों को संबोधित करते हुए, बैंक राष्ट्रीयकरण मामले पर भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।
- अनुच्छेद 31C का उद्देश्य नीति निर्देशक सिद्धांतों को प्रभावित करने वाले कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती दिए जाने से बचाना है।

अनुच्छेद 31C की यात्रा:

- इसे सबसे पहले केशवानंद भारती मामले (1973) में चुनौती दी गई, जिसके परिणामस्वरूप अनुच्छेद 31C का एक भाग निरस्त कर दिया गया।
- अनुच्छेद 14 और 19 के तहत सभी निदेशक सिद्धांतों को चुनौतियों से बचाने के लिए इसे संविधान (42वाँ) संशोधन अधिनियम के तहत विस्तारित किया गया।
- इस संशोधन के खंड 4 और 5 को मिनर्वा मिल्स मामले (1980) में निरस्त कर दिया गया, जिससे संसद की संशोधन शक्ति की सीमा पर सवाल उठाया गया।

उच्चतम न्यायलय में चल रहा मामला:

- महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के अध्याय VIII-A को चुनौती दी गई है, जो सरकार को "उपकर" संपत्तियों के अधिग्रहण की अनुमति देता है।
- यह पूरी बहस इस बात पर केंद्रित है, कि क्या अनुच्छेद 39(b) में उपकर संपत्तियों जैसे निजी संसाधन शामिल हैं ?
- पिछले निर्णयों में अनुच्छेद 31C के तहत सुरक्षा का हवाला देते हुए संशोधन को बरकरार रखा गया था।

उच्चतम न्यायलय में दलीलें:

- याचिकाकर्ताओं का तर्क है, कि अनुच्छेद 31 C का पूर्व-संशोधन संस्करण 42वें संशोधन के साथ समाप्त हो गया है।
- केंद्र का तर्क है, कि अनुच्छेद 31 C पर केशवानंद भारती के बाद की स्थिति को बहाल करते हुए पुनरुद्धार का सिद्धांत लागू होना चाहिए।
- न्यायाधीश संवैधानिक संशोधनों को निरस्त करने और पूर्व-संशोधित प्रावधानों को पुन: बहाल करने के निहितार्थों पर बहस कर सकते हैं।

अनुच्छेद 31 और संशोधित प्रावधान:

- **अनुच्छेद 31:** यह कानून के आधार के बिना संपत्ति से वंचित होने से बचाता है और कानून द्वारा सार्वजनिक प्रयोजन के लिए संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण की अनुमति देता है।
- **अनुच्छेद 31A:** यह संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित कानूनों की रक्षा करता है और कानून के अनुसार मुआवजे का प्रावधान करता है।
- **अनुच्छेद 31 B:** यह नौवीं अनुसूची में सूचीबद्ध कुछ अधिनियमों को मान्य करता है और उन्हें मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती दिए जाने से बचाता है।
- **अनुच्छेद 31 C:** निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने वाले कानूनों को मौलिक अधिकारों की चुनौतियों से बचाता है और सुनिश्चित करता है कि उन्हें अमान्य नहीं माना जाए।
- **अनुच्छेद 31D:** यह संसद को शहरी स्थानीय स्वशासन के लिए प्राधिकरण स्थापित करने और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय शासन को मजबूत करने का अधिकार देता है।

हिंद महासागर का गर्म होना

संदर्भ: *साइंस डायरेक्ट के एक नए अध्ययन में भविष्यवाणी की गई है कि हिंद महासागर 2020 से 2100 तक प्रति शताब्दी 1.7-3.8 डिग्री सेल्सियस के बीच गर्म हो सकता है।*

हिंद महासागर का गर्म होना:

- वर्ष 2020 और 2100 के बीच प्रति शताब्दी 1.7-3.8 डिग्री सेल्सियस की दर से गर्मी बढ़ने का अनुमान है।
- यह भी अनुमान है, कि जब तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम नहीं किया जाता तब तक अभूतपूर्व और त्वरित वार्मिंग जारी रह सकती है।

सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव:

- व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों और जैव विविधता, विशेषकर मूंगा चट्टानों पर इसके प्रतिकूल प्रभावों की संभावना बढ़ जाती हैं।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम पर प्रभाव, जो भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों की वार्षिक वर्षा को प्रभावित करता है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो सकती है।
- थर्मल विस्तार के कारण समुद्र का स्तर बढ़ने से तटीय क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

ऐतिहासिक और अनुमानित वार्मिंग:

- हिंद महासागर बेसिन 1950 और 2020 के बीच प्रति शताब्दी 1.2 डिग्री सेल्सियस की दर से गर्म हुआ है।
- उत्तर-पश्चिमी भागों में अत्यधिक गर्मी का अनुभव हुआ जबकि दक्षिण-पूर्वी भागों में सबसे कम तापमान हुआ।
- यह प्रक्षेपण समुद्र की सतह और उसके नीचे के तापमान में नाटकीय वृद्धि का संकेत देता है।

समुद्री सतह के तापमान में बदलाव:

- वार्मिंग के कारण सतह के तापमान के मौसमी चक्र में बदलाव।
- कई अनुमानों से पता चलता है कि 21वीं सदी के अंत तक पूरे वर्ष समुद्र की सतह का न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाएगा।
- इससे उष्णकटिबंधीय चक्रवातों और भारी वर्षा की घटनाओं की संभावना बढ़ गई।

हिंद महासागर द्विध्रुवीय सहित अन्य घटनाएँ:

- हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) में अपेक्षित परिवर्तन के कारण मानसूनी वर्षा और उष्णकटिबंधीय चक्रवात का निर्माण प्रभावित हो सकता है।
- सदी के अंत तक अत्यधिक IOD घटनाओं की आवृत्ति बढ़ सकती है, जबकि मध्यम घटनाओं में कमी आ सकती है।

समुद्री हीटवेव और महासागरीय रसायन विज्ञान:

- समुद्री हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता में अपेक्षित वृद्धि, जिससे निवास स्थान का विनाश और मत्स्य पालन क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा।
- PH में कमी और क्लोरोफिल के स्तर में गिरावट का अनुमान, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और उत्पादकता को प्रभावित कर रहा है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **सिफ़ारिशें:**

- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचे के निर्माण की तत्काल आवश्यकता है।
- समुद्री पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण और पूर्वानुमान क्षमताओं में सुधार लचीलेपन के लिए महत्वपूर्ण है।
- खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता संरक्षण के लिए आवश्यक अनुकूली कृषि और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।

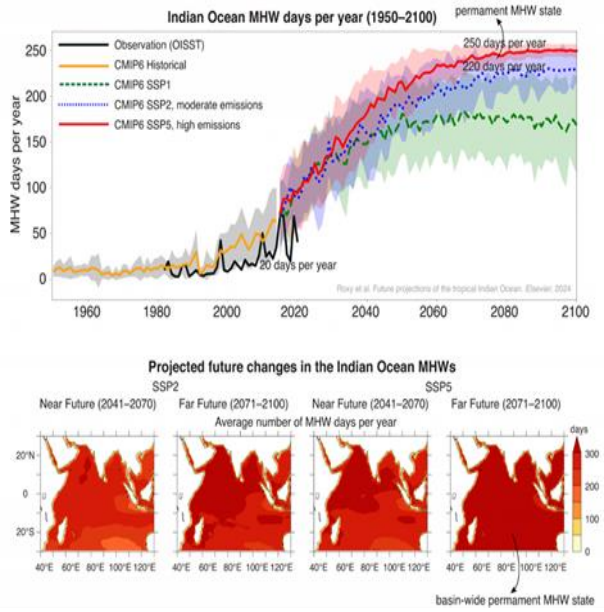

भारतीय अंतरिक्ष स्थितिपरक आकलन रिपोर्ट (ISSAR)

संदर्भ: *भारतीय अंतरिक्ष स्थिति आकलन रिपोर्ट (ISSAR), 2023 इस बात को इंगित करती है, कि वर्ष 2022 की तुलना में कक्षा में लॉन्च किए गए उपग्रहों (सैटेलाईटों) की संख्या में वृद्धि हुई है।*

➢ **रिपोर्ट का समग्र अवलोकन:**

- इसके सुरक्षित और सतत अंतरिक्ष संचालन प्रबंधन (IS4OM) के लिए इसरो सिस्टम द्वारा संचालित किया गया है।
- इसे अप्रैल 2024 में इसरो के चेयरमैन एस.सोमनाथ द्वारा जारी किया गया था।
- अंतरिक्ष वस्तु जन आबादी की बढ़ती प्रवृत्ति को भी रेखांकित करता है, जो अंतरिक्ष तक बढ़ती मानव पहुंच और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोगों का संकेतक है।

➢ **अंतरिक्ष वस्तु संख्या:**

- 2022 की तुलना में 2023 में अधिक उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया गया।
- 2023 में 212 उपग्रहों/सैटेलाईटों के लॉन्चिंग और ऑन-ऑर्बिट ब्रेक-अप इवेंट से 3,143 ऑब्जेक्ट जोड़े गए, जबकि 2022 में 179 लॉन्चिंग से 2,533 ऑब्जेक्ट जोड़े गए थे।
- 2023 में कक्षा में पांच प्रमुख घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप अंतरिक्ष मलबे की आबादी में 69 खंडित वस्तुएं शामिल हो गईं।

➢ **भारतीय परिदृश्य:**

- 2023 के अंत तक 21 उपग्रहों को वायुमंडल में पुनः भेजा गया, जिसमें आठ भारतीय उपग्रह थे।
- इस सन्दर्भ में उल्लेखनीय मेघा-ट्रॉपिक्स-1 का 2023 में नियंत्रित रूप से पुन: प्रवेश हुआ।
- भारतीय प्रक्षेपणों से 82 रॉकेट पिंडों को 2023 तक कक्षा में स्थापित किया गया था, 52 PSLV-C3 मलबे अभी भी 2023 के अंत तक कक्षा में मौजूद हैं।

➢ **बंद दृष्टिकोण और टकराव से बचने के उपाय (CAMs):**

- इसरो अन्य अंतरिक्ष वस्तुओं द्वारा निकट दृष्टिकोण की भविष्यवाणी करने के लिए IS4OM-ISTRAC के माध्यम से विश्लेषण करता है।
- USSPACECOM से 1,37,565 नजदीकी पहुँच संकेत प्राप्त हुए हैं।
- इसरो उपग्रहों के लिए 1 किमी के भीतर निकट पहुँच संकेत के लिए 3,033 अलर्ट जारी किये गए हैं।
- वर्ष 2022 में 21 और 2021 में 19 की तुलना में 2023 में 23 CAMs किए गए।
- CAMs में बढ़ती प्रवृत्ति बाहरी अंतरिक्ष में बढ़ती अंतरिक्ष वस्तुओं की भीड़ से संबंधित है।

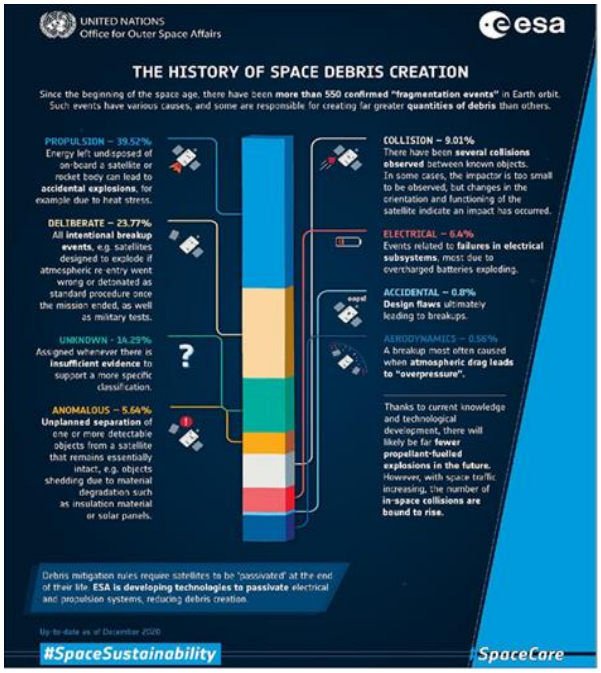

➢ **मिशन सुरक्षा:**

- इस सन्दर्भ में चंद्रयान -3 और आदित्य-एल 1 मिशनों के संबंधित चरणों के दौरान कोई करीबी पहुँच नहीं पाया गया।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

30 April, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

हसदेव अरण्य आंदोलन

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक और हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के संस्थापक सदस्य आलोक शुक्ला को हाल ही में हसदेव अरण्य आंदोलन के लिए एशिया के 2024 गोल्डमैन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हसदेव अरण्य आंदोलन के बारे में:

- हसदेव अरण्य आंदोलन छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य क्षेत्र के आसपास के कार्यकर्ताओं और स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में एक जमीनी स्तर का पर्यावरण अभियान है।
- इस आंदोलन का उद्देश्य प्रस्तावित कोयला खनन परियोजनाओं के प्रतिकूल प्रभावों से हसदेव अरण्य के जैव विविधता से समृद्ध जंगलों को बचाना था।
- सामुदायिक अभियानों और प्रयासों के माध्यम से, आंदोलन ने क्षेत्र में 21 नियोजित कोयला खदानों की स्थापना को सफलतापूर्वक रोका, जिससे लगभग 445,000 एकड़ वनों का संरक्षण हुआ।
- जंगल महानदी की सहायक नदी हसदेव के जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करते हैं, जो 741,000 एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराती है।
- यह क्षेत्र लगभग 15,000 आदिवासियों का आवास है जो अपनी आजीविका, सांस्कृतिक पहचान और जीविका के लिए हसदेव अरण्य वनों पर निर्भर हैं।
- हसदेव अरण्य कोयला भंडार से भी समृद्ध है, जिसके कारण सरकारों द्वारा खनन कार्य शुरू करने के प्रयास किए गए हैं।

गोल्डमैन पुरस्कार:

- पुरस्कार की स्थापना 1989 में रिचर्ड और रोंडा गोल्डमैन द्वारा की गई थी।
- इस पुरस्कार का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए दुनिया भर के जमीनी स्तर के पर्यावरण कार्यकर्ताओं को पहचानना और सम्मानित करना है।
- यह छह क्षेत्रों में प्रदान किया जाता है: एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण और मध्य अमेरिका, और द्वीप और द्वीप राष्ट्र।
- गोल्डमैन पुरस्कार के प्रत्येक विजेता को उनके चल रहे पर्यावरणीय कार्यों और पहलों का समर्थन करने के लिए $200,000 का मौद्रिक पुरस्कार मिलता है।

हैंगर श्रेणी की पनडुब्बी

हाल ही में 26 अप्रैल को चीन के वुहान शिपयार्ड में पहली हैंगर क्लास पनडुब्बी लॉन्च की गई।

हैंगर क्लास पनडुब्बी के बारे में:

- हैंगर क्लास सबमरीन एक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बी है जो चीन (china) टाइप 039A युआन क्लास के निर्यात संस्करण का प्रतिनिधित्व करती है।
- इसे पाकिस्तान के लिए बनाया गया है जो 2028 तक इस श्रेणी की कुल आठ पनडुब्बियों को शामिल करने की पाकिस्तानी नौसेना की योजना की शुरुआत का प्रतीक है।
- इस पनडुब्बी का नाम पीएनएस हंगोर के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के युद्ध के दौरान भारतीय युद्धपोत आईएनएस खुकरी को डुबाने के लिए प्रसिद्धि हासिल की थी।
- पनडुब्बी सतह या स्नॉर्केलिंग संचालन के लिए डीजल इंजन का उपयोग करती है, जबकि यह जलमग्न संचालन के लिए बैटरी चालित प्रणाली पर निर्भर करती है।
- एआईपी प्रणाली से सुसज्जित, पनडुब्बी पानी के भीतर अपनी शक्ति और अपनी गुप्त क्षमताओं को बढ़ा सकती है।
- यह 21 इंच के 6 टारपीडो ट्यूबों से युक्त है और 450 किमी की रेंज के साथ एंटी-शिप मिसाइलों और बाबर -3 सबसोनिक क्रूज मिसाइलों को लॉन्च करने की क्षमता रखता है।
- भारत की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों की तुलना में, हैंगर श्रेणी का आकार बड़ा है और इसमें एआईपी सिस्टम शामिल है, जो संभावित रूप से इसे पानी के भीतर शक्ति और छिपने की क्षमता के मामले में लाभ प्रदान करता है।

ईशान पहल

हाल ही में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने ISHAN पहल पर काम शुरू किया है।

ईशान पहल के बारे में:

- ISHAN (इंडियन सिंगल स्काई हार्मोनाइज्ड एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट) पहल भारत के खंडित हवाई क्षेत्र प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा शुरू की गई एक परियोजना है।
- ISHAN का उद्देश्य देश के चार उड़ान सूचना क्षेत्रों (FIR) दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई और उप-FIR को नागपुर स्थित एक इकाई में विलय करना है।
- ISHAN नागपुर में एक ही प्राधिकरण के तहत इन एफआईआर को एकीकृत करना चाहता है।
- इस समेकन का उद्देश्य भारतीय हवाई क्षेत्र में समन्वय को सुव्यवस्थित करके, भीड़भाड़ को कम करके और क्षमता में वृद्धि करके हवाई यातायात संचालन में दक्षता, सुरक्षा और निर्बाधता को बढ़ाना है।
- इस पहल का उद्देश्य परिचालन को सुव्यवस्थित करना, क्षमता बढ़ाना और भारतीय हवाई क्षेत्र में भीड़भाड़ को कम करना है, जिससे एयरलाइंस और यात्रियों दोनों को लाभ होगा।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

कंबोडिया

हाल ही में, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कंबोडिया में हजारों भारतीय सिम कार्ड और बैंक खातों का फायदा उठाकर धोखाधड़ी करने वाले धोखेबाजों को संबोधित करने के लिए दूरसंचार मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और सीबीएल के साथ एक बैठक की।

कंबोडिया (राजधानी: नोम पेन्ह)

अवस्थिति : कंबोडिया, जिसे आधिकारिक तौर पर कंबोडिया साम्राज्य के रूप में जाना जाता है, मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: कंबोडिया अपनी सीमाएँ वियतनाम (पूर्व), थाईलैंड (उत्तर-पश्चिम), लाओस (उत्तर) और थाईलैंड की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम) से साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- कंबोडिया का सबसे ऊंचा स्थान नोम ऑरल है, जो दक्षिण-पश्चिमी कंबोडिया में इलायची पर्वत श्रृंखला में स्थित है।
- मेकांग नदी कंबोडिया के पूर्वी भाग से होकर प्रवाहित होती है।
- टोनले सैप नदी, मेकांग की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी, देश के मध्य भाग से होकर प्रवाहित होती है।
- दक्षिणपूर्व एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, टोनले सैप झील मध्य कंबोडिया में स्थित है।
- कंबोडिया में बॉक्साइट, सोना, लौह अयस्क, रत्न और मैंगनीज सहित विभिन्न खनिज संसाधन हैं।

POINTS TO PONDER

- किस राज्य सरकार ने नीलगिरि तहर परियोजना शुरू की? – **तमिलनाडु**
- अलगर मंदिर किस राज्य में स्थित है? – तमिलनाडु
- 21वीं अंडर-20 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले हर्षित कुमार किस खेल से संबंधित हैं? – **हथौड़ा फेंक**
- शिपिंग मंत्रालय द्वारा किस बंदरगाह को भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के रूप में मंजूरी दी गई है? – **विझिंजम बंदरगाह**
- नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम क्या है? – **गुर्दे का एक विकार जिसके कारण मूत्र में अत्यधिक प्रोटीन की समस्या उत्पन्न होती है।**